web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 01 जुलाई 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 274

महत्वपूर्ण एवं खास

ऑस्ट्रेलिया में बस-कार के बीच जोरदार टक्कर में एक व्यक्ति की मौत, 27 लोग घायल

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्वी प्रांत क्वींसलैंड में रविवार को एक बस और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 27 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। ऑस्ट्रेलियाई एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह दुर्घटना उत्तरी क्वींसलैंड तट पर ब्रूस हाईवे पर बोवेन के उत्तर में गुमलू के पास हुई। क्वींसलैंड एम्बुलेंस सेवा के प्रवक्ता ने स्थानीय मीडिया को बताया कि 27 लोग घायल हुए हैं। इनमें से सात लोगों की हालत गंभीर है। ऑस्ट्रेलिया की एक न्यूज वेबसाइट, ऐसा माना जा रहा है कि अन्य लोग अभी भी दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के अंदर फंसे हुए हैं। रिपोर्ट कई पुलिस इकाइयों और अन्य आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम के साथ-साथ कई पैरामेडिकल दल घटनास्थल पर मौजूद हैं। दो बचाव हेलीकॉप्टरों को भी घटनास्थल पर भेजा गया।

दर्दनाक हादसा: तेज रफ्तार ट्रक ने भीड़ को रौंदा, 14 लोगों की मौत

अबुजा । उत्तरी नाइजीरिया के कानो राज्य में स्थित इमावा शहर में राजमार्ग पर चल रहे लोगों को एक ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे 14 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी पीएम न्यूज ने दी। दुर्घटना तब हुई जब एक ट्रक चालक ने नियंत्रण खो दिया और शुक्रवार की नमाज अदा कर रहे पैदल यात्रियों से टकरा गया। इस हादसे में ट्रक की चपेट में आने से 14 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है

फिलीपींस में पटाखा गोदाम में विस्फोट, पांच की मौत, 20 घायल

मनीला । फिलीपींस के जाम्बोआंगा शहर में एक पटाखा गोदाम में हुए शक्तिशाली विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। विस्फोट में गोदाम के पास के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचा है। विस्फोट स्थल पर पहुंचे जाम्बोआंगा के मेयर जॉन डेलिप ने संवाददाताओं को बताया कि घटना में पांच लोगों की मौत हो गई, और 20 लोग घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में से आठ की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि विस्फोट में मारे गए लोगों में एक बच्चा भी शामिल है। उन्होंने बताया कि अग्निशमन कर्मी और पुलिस विस्फोट के कारणों की जांच कर रहे हैं।

नेपाल में भूस्खलन में सात लोगों की जान गई

काठमांडू । पश्चिमी नेपाल में भूस्खलन में सात लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गुलमी जिले के मलिका ग्रामीण नगरपालिका क्षेत्र में भूस्खलन में एक घर के बह जाने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। नगरपालिका के चेयरमैन देवी राम आर्यल ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि भारी बारिश के कारण इलाके में जानलेवा भूस्खलन हुआ है। पांचों मृतकों के शव बरामद कर लिए गये हैं। स्यांगजा जिले के फेदीखोला ग्रामीण नगरपालिका क्षेत्र में भूस्खलन में एक महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई। जिला पुलिस के प्रवक्ता इंद्र बहादुर राणा ने यह जानकारी दी। नेपाल में 10 जून को मानसून आ गया था। अब तक मानसून के दौरान बारिश से जुड़ी आपदाओं में मरने वालों की संख्या 34 पर पहुंच चुकी है।

अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों को ले जा रही वैन हादसे का शिकार, दो की हालत गंभीर

श्रीनगर (आरएनएस)। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के चंदनवारी इलाके में रविवार को तीर्थयात्रियों से भरी एक वैन दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में दो श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी अमरनाथ यात्रा पर जा रहे थे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बताया, अमरनाथ यात्रियों को ले जा रही एक वैन चंदनवारी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कुछ तीर्थयात्रियों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। बीएसएफ क्यूआरटी ने घायलों को इलाज के लिए तुरंत पास के अस्पताल पहुंचाया। बीएसएफ जवानों की समय पर सक्रियता से तीर्थयात्रियों की जान बच गई। इस साल 52 दिन तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और 19 अगस्त को रक्षा बंधन के त्यौहार के साथ समाप्त होगी।

रिटायरमेंट से पहले जनरल मनोज पांडे को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

नई दिल्ली । आरएनएस

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे रविवार 30 जून को सेवानिवृत्ति हो रहे हैं। कार्यकाल के आखिरी दिन उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उनके सेवानिवृत होने के साथ ही लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी रविवार को ही नए सेना प्रमुख का पदभार संभालेंगे। जनरल मनोज पांडे 26 महीने तक इस पद पर रहे। अपने कार्यकाल के अंतिम दिन उन्होंने वॉर मेमोरियल पर जाकर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अब भारतीय सेना की कमान संभालने जा रहे लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी 30वें सेना प्रमुख होंगे। इससे पहले उन्होंने फरवरी में थल सेना उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया था। सेनाध्यक्ष के रूप में जनरल द्विवेदी की नियुक्ति को सरकार ने 11 जून को मंजूरी दी थी। सन् 1964 में 01 जुलाई को जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को 15 दिसंबर, 1984 को भारतीय सेना की इन्फैंट्री (जम्मू-कश्मीर राइफल्स) में कमीशन मिला था।

लगभग 40 वर्षों की अपनी लंबी और प्रतिष्ठित सेवा के दौरान, वह विभिन्न कमानों, स्टाफ, प्रशिक्षण संबंधी और विदेशी नियुक्तियों में कार्यरत रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी की कमांड नियुक्तियों में रेजिमेंट (18 जम्मू और कश्मीर राइफल्स), ब्रिगेड (26 सेक्टर असम राइफल्स), महानिरीक्षक, असम राइफल्स (पूर्व) और 9 कोर की कमान शामिल हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने सेना उपप्रमुख के रूप में नियुक्ति से पूर्व 2022-24 तक महानिदेशक इन्फैंट्री और जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (मुख्यालय उत्तरी कमान) सहित महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

सैनिक स्कूल रीवा, नेशनल डिफेंस कॉलेज और यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के पूर्व छात्र लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने डीएसएससी वेलिंगटन और आर्मी वॉर कॉलेज, महू में भी अध्ययन किया है।

आज रिटायर्ड हो रहे जनरल मनोज पांडे को 30 अप्रैल 2022 को सेनाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्हें दिसंबर 1982 में इंजीनियरों की कोर (बॉम्बे सैपर्स) में कमीशन दिया गया था। सीओएएस के रूप में कार्यभार संभालने से पहले वह थल सेना के उपप्रमुख के रूप में नियुक्त हुए थे।

जनरल मनोज पांडे का कार्यकाल 31 मई 2024 को समाप्त हो रहा था। हालांकि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 26 मई 2024 को उन्हें एक और महीने का सेवा विस्तार देने की मंजूरी दी थी।

नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति में सरकार सरकार द्वारा सीनियरिटी के सिद्धांतों का पूरी तरह से पालन किया गया है।

गौरतलब है कि तीनों सेनाओं के सेनाध्यक्ष 62 साल की उम्र तक या तीन साल के कार्यकाल तक (इनमें से जो भी पहले हो) पद पर बने रह सकते हैं। वहीं लेफ्टिनेंट जनरल रैंक के अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा 60 वर्ष निर्धारित है।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को लेकर अग्रणी रहे हैं। उन्होंने सेना की नॉर्दर्न कमांड में तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके साथ ही नए सेनाध्यक्ष आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, बिग डेटा एनालिटिक्स, क्वांटम जैसी आधुनिकतम तकनीक के इस्तेमाल की दिशा में भी काम करते रहे हैं। वह सोमालिया में रहे और सेशेल्स सरकार के सैन्य सलाहकार के रूप में काम किया।

गाजा पट्टी में कहर बनकर टूटा इजरायल, हमलों में 40 फिलिस्तीनियों की मौत-224 घायल

गाजा । पिछले 24 घंटों में गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में कम से कम 40 फिलिस्तीनी मारे गए और 224 अन्य घायल हो गए। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि कुल फिलिस्तीनी मौतों की संख्या अब 37,834 हो गई है। अक्टूबर 2023 से फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद से 86,858 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने कहा कि इजरायली बलों और फिलिस्तीनी सशस्त्र गुटों के बीच झड़पों के कारण बचाव दलों को कई बाधाओं का सामना करना पड़ा, खास कर दक्षिणी गाजा के रफा शहर और पूर्वी गाजा के शुजाया में। इजरायली सैन्य प्रवक्ता अविचाय एड्रे ने एक बयान में कहा कि इजरायली सेना शुजाया क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों पर हमला जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ घंटों में सेना ने झड़पों में कई को मार गिराया और इजरायली सैनिकों को क्षेत्र में एक स्कूल परिसर के अंदर एक हथियार डिपो मिला है। एड्रे के अनुसार, रफा में इजरायली सेना ने कई आतंकवादियों को मार गिराया और सुरंग सहित कई आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया। इस बीच, फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि हजारों लोग आश्रय, भोजन, दवा और स्वच्छ पानी की समस्या झेल रहे हैं, हालात और भी बदतर हो गए हैं। पेंटागन ने शुक्रवार को घोषणा की कि मानवीय सहायता के लिए गाजा के तट पर लंगर डाले हुए अमेरिकी जहाज को प्रतिकूल मौसम के कारण हटा दिया गया है।

नीट पेपर लीक : गुजरात में सीबीआई ने जय जलाराम स्कूल के चेयरमैन को हिरासत में लिया

अहमदाबाद । आरएनएस

नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पंचमहल जिले के जय जलाराम स्कूल के चेयरमैन दीक्षित पटेल को शनिवार देर रात हिरासत में ले लिया। दीक्षित पटेल को हिरासत में लेने के बाद गोधरा सिविल अस्पताल में उनका मेडिकल कराया गया। नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपियों के संपर्क में होने के संदेह के आधार पर सीबीआई ने दीक्षित पटेल के खिलाफ यह कार्रवाई की है।

इससे पहले 27 जून को नीट में धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई ने दीक्षित पटेल से पूछताछ की थी। इसके अलावा सीबीआई ने कुछ छात्रों के परिजनों के भी बयान दर्ज किए। नीट पास कराने के लिए 10 लाख रुपये की ठगी के मामले में जय जलाराम स्कूल के प्रिंसिपल और एक शिक्षक को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि नीट में गड़बड़ी करने के आरोप में गुजरात पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी गिरफ्तारी के बाद ढाई करोड़ रुपए के मनी ट्रेल की बात सामने आई थी। पुलिस के मुताबिक, छात्रों से पैसे लेकर नीट परीक्षा पास कराने का गोरखधंधा चल रहा था।

पिछले महीने पंचमहल जिले के कलेक्टर को मिली सूचना के आधार पर गोधरा के जय जलाराम स्कूल के नीट परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया गया। इस दौरान इस बात का खुलासा हुआ कि बच्चों से पैसे लेकर परीक्षा पास कराने का खेल हुआ है।

पुलिस की जांच के अनुसार, इस सेंटर पर परीक्षा देने वाले कई उम्मीदवार नकल माफिया के संपर्क में थे। ऐसे छात्रों से 10-10 लाख रुपए लिए जाने की बात भी सामने आई।

इतिहास में पहली बार दो क्लासमेट के हाथ में होगी सेना की कमान, एडमिरल त्रिपाठी के बाद अब आर्मी चीफ की कमान संभालेंगे उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली । आरएनएस

भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी आज से सेना प्रमुख का अपना नया पदभार संभालेंगे। इसमें खास बात यह है कि इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है जब दो क्लासमेट अपने-अपने सेनाओं के प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे। बता दें, लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी और एडमिरल दिनेश त्रिपाठी आर्मी और नेवी के चीफ होंगे। जानकारी के मुताबिक नौसेना चीफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी और नामित सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी मध्य प्रदेश के सैनिक स्कूल रीवा में 5वीं क्लास में एक साथ पढ़ते थे।

स्कूल टाइम से ही इन दोनों लोगों में काफी अच्छी दोस्ती है। वहीं सेना के अलग-अलग अंगों में जिम्मेदारी संभालने के बावजूद यह लोग हमेशा संपर्क में रहे। जानकारी के मुताबिक इनके रोल नंबर भी आसपास ही थे। जिसमें लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी का रोल नंबर 931 और एडमिरल दिनेश त्रिपाठी का 938 था।

जानकारी के मुताबिक एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि सेना में अधिकारियों के बीच मजबूत दोस्ती सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल को और मजबूत करती है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ए भारत भूषण बाबू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दो छात्रों को ट्रेनिंग देने का यह सम्मान, जो 50 साल बाद अपनी-अपनी सेनाओं का प्रमुख बनेंगे, रीवा के सैनिक स्कूल को जाता है।

बता दें कि दोनों क्लासमेट की जॉइनिंग भी लगभग एक ही समय पर हुई हैं। एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने एक मई को नेवी की कमान संभाली थी। वहीं लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी आज आर्मी चीफ की अपनी नई जिम्मेदारी को संभालेंगे। उपेंद्र द्विवेदी जनरल मनोज पांडे की जगह लेंगे, जो रिटायर होने वाले हैं।

नए कानूनों के लिए मध्य प्रदेश पूरी तरह तैयार

भोपाल । आरएनएस

देश की कानून और न्याय व्यवस्था के लिए एक जुलाई इतिहास के पन्नों में दर्ज होने वाली तारीख है। सोमवार से देश में तीन नए कानून अमल में आ रहे हैं। इन कानूनों को बेहतर तरीके से लागू करने के लिए मध्य प्रदेश पूरी तरह तैयार है।

आईपीसी की 511 धाराओं की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में 358 धाराएं होंगी। इसमें 21 नए अपराध जुड़े हैं और 41 धाराओं में सजा बढ़ाई गई है। इसके अलावा पहली बार छह अपराधों में सामुदायिक सेवा की सजा जोड़ी गई है।

इसी तरह सीआरपीसी के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) अस्तित्व में आ रहा है। नए कानूनों को अमल में लाने और लागू करने के लिए पुलिस बल को सबसे ज्यादा सक्षम बनाने की जरूरत है।

यही कारण है कि मध्य प्रदेश में छह महीने में पुलिस बल और विवेचकों को इसके लिए तैयार किया गया है। इस दौरान इन तीनों कानूनों के बारे में पुलिस बल और विवेचकों को प्रशिक्षित किया गया है। अब तक 60 हजार पुलिस जवानों और अधिकारियों के अलावा 31 हजार विवेचकों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

राज्य की पुलिस प्रशिक्षण शाखा ने तीन सौ से ज्यादा मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया है और इनके माध्यम से पुलिस मुख्यालय से लेकर थानों और चौकियों तक के कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी गई। नए कानूनों से लोगों को अवगत कराने और उनमें जागरूकता लाने के मकसद से कार्यशालाएं हुईं, सेमिनार हुए और सामूहिक चर्चा हुई।

इसके अलावा सोशल मीडिया का भी भरपूर उपयोग किया गया है, शॉर्ट फिल्में तक बनाई गई हैं। इतना ही नहीं पुलिस विभाग की ओर से पोस्टर भी जारी किए गए हैं। पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना ने भी इस कानून की तैयारी और प्रशिक्षण पर पूरी नजर रखी, साथ ही निर्देश दिए।

नए कानूनों की विस्तृत जानकारी पुलिस थाने के अलावा पुलिसकर्मियों के मोबाइल पर भी उपलब्ध रहेगी। जिस दिन यह कानून लागू होने वाले हैं। उस दिन एक जुलाई को सभी थानों में विशेष कार्यक्रम होंगे और आमजन को अवगत कराया जाएगा।

अंतरिक्ष से सुनीता विलियम्स की वापसी को लेकर इसरो चीफ ने दी शुभ समाचार

नई दिल्ली । आरएनएस

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ ने भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (इसरो) की वापसी को लेकर अच्छी खबर दी है। उन्होंने कहा है कि उनकी वापसी चिंताजनक मुद्दा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि अंतरिक्ष स्टेशन लोगों के लिए लंबे समय तक रहने के लिए एक सुरक्षित स्थान है। सुनीता विलियम्स महीनों तक अंतरिक्ष में रह सकती हैं।

इसरो चीफ ने कहा, यह केवल सुनीता विलियम्स या किसी अन्य अंतरिक्ष यात्री की बात नहीं है। उन्हें किसी न किसी दिन वापस आना ही है। पूरा मुद्दा बोइंग स्टारलाइनर नामक एक नए क्रू मॉड्यूल के परीक्षण, वहां जाने और फिर सुरक्षित वापस आने की क्षमता के बारे में है। स्पेस एजेंसी के पास उन्हें घर वापस लाने के लिए पर्याप्त क्षमताएं हैं। यह कोई मुद्दा नहीं है। आईएसएस लोगों के लिए लंबे समय तक रहने के लिए एक सुरक्षित स्थान है।

नासा के दो अंतरिक्ष यात्री बैरी विल्मोर और सुनीता विलियम्स 14 जून को वापस लौटने वाले थे। हालांकि, बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में कई समस्याएं आ चुकी हैं। इस वजह से उनकी वापसी में कई बार देरी हो चुकी है। सोमनाथ ने इस बात पर जोर दिया कि अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी के बारे में चिंता करने के बजाय, एक नए क्रू मॉड्यूल के परीक्षण और अंतरिक्ष में यात्रा करने की इसकी क्षमता पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने विलियम्स की नए अंतरिक्ष यान की पहली उड़ान भरने के साहस के लिए भी प्रशंसा की।

नहीं रहे पूर्व भारतीय फुटबॉलर भूपिंदर सिंह रावत, 85 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

सूरत । आरएनएस

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने भारत के पूर्व विंगर भूपिंदर सिंह रावत के निधन की पुष्टि की है, जिनका संक्षिप्त बीमारी के बाद शनिवार को निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे। रावत के परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है।

1960 और 1970 के दशक के तेज तर्रार खिलाड़ी, रावत 1969 में मलेशिया में मर्डेका टूर्नामेंट में भारतीय टीम के सदस्य थे। घरेलू फुटबॉल में, उन्होंने दिल्ली गैरीसन, गोरखा ब्रिगेड और मफतलाल जैसी शीर्ष टीमों के लिए खेला। उन्होंने संतोष ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में सर्विसेज और महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया। अपनी छोटी कद-काठी के बावजूद प्रतिद्वंद्वी डिफेंस को भेदने की अपनी गति और क्षमता के कारण भीड़ के चहेते रावत को स्टैंड में उनके प्रशंसकों द्वारा स्कूटर उपनाम दिया गया था।

एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने एआईएफएफ मीडिया टीम से कहा, भूपिंदर सिंह रावत एक उत्कृष्ट विंगर और एक शानदार स्कोरर थे, जिन्होंने खेल को उत्कृष्टता के साथ सेवा प्रदान की। दुख की इस घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

एआईएफएफ के कार्यवाहक महासचिव एम सत्यनारायण ने कहा, भूपिंदर सिंह रावत अपने समय के एक कुशल फुटबॉलर थे और दर्शक उन्हें खेलते देखना पसंद करते थे। भारतीय फुटबॉल बिरादरी की ओर से, मैं उनके निधन पर शोक व्यक्त करता हूं।

गूगल मैप के कारण नदी में पहुंच गई कार, बाल-बाल बचे 2 युवक

केरल । आरएनएस

केरल के उत्तरी कासरगोड जिले में 'गूगल मैप्स' का उपयोग करके अस्पताल का रास्ता खोजना दो युवकों को महंगा पड़ गया। गूगल मैप में रास्ता देखने की वजह से उनकी कार को उफनती नदी में पहुंच गए। कार अचानक पानी की धारा में बहने लगी और बाद में नदी के किनारे एक पेड़ में फंस गई। इसके बाद रेस्क्यू टीम ने उनकी जान बचाई।

रविवार को सोशल मीडिया पर इसका वीडियो काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में पल्लांची में उफनती नदी से दमकल कर्मी उन्हें सुरक्षित बाहर निकालते हुए दिखाई दे रहे हैं। जब उनकी कार पानी के तेज बहाव में बहकर एक पेड़ में फंस गई तो उन्होंने किसी तरह गाड़ी से निकलकर दमकलकर्मियों को अपनी लोकेशन के बारे में जानकारी दी। बाद में, अग्निशमन दल के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और रस्सियों की मदद से दोनों व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

बचाए गए युवकों ने बताया कि वे पड़ोसी राज्य कर्नाटक के एक अस्पताल जा रहे थे, जिसके लिए 'गूगल मैप्स' का उपयोग करके आगे बढ़ रहे थे। युवकों में से एक अब्दुल रशीद ने बताया कि 'गूगल मैप्स' से उन्हें आगे एक संकरी सडक़ होने का पता चला, जिसके बाद वे अपनी कार लेकर गए। लेकिन वह दरअसल एक नदी थी। पिछले साल केरल में 29 वर्षीय एक डॉक्टर की इसी तरह से मौत हो गई थी, जब वह गूगल मैप के सहारे रास्ता देख रहा था और पेरियार नदी के बीचों बीच पहुंच गया था।

गूगल मैप्स एक वेब सर्विस है जो दुनिया भर के भौगोलिक क्षेत्रों और स्थानों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करती है। पारंपरिक सडक़ मानचित्रों के अलावा, 'गूगल मैप्स' कई स्थानों के हवाई और उपग्रह तस्वीर भी देता है। उन्होंने एक टीवी चैनल से कहा, वाहन की हेडलाइट की मदद से हमें लगा कि हमारे सामने कुछ पानी है, लेकिन हम यह नहीं देख पाए कि दोनों तरफ नदी थी और बीच में एक पुल था।